प्र.१ निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : (१६)

अ) "वह महासेतु
जो कि प्रथम आश्चर्य सृष्टि का
मानव के विद्रोह भाव का
प्रथम
किन्तु अद्‌भूत प्रतीक है ।"

अथवा

"इतिहास व्यक्ति को व्यक्ति नहीं
शस्त्र मानता है
अपने अन्धे उद्देश्य पूर्ति में
उसकी परिभाषा में वह
निर्मित है
शक्ति नहीं ।"

आ. "कामिनी कंत सों जामिनि चंद सो दामिनी पावस-मेघ घटा सों ।
कीरति दान सों सूरति ज्ञान सों प्रीति बड़ी सनमान महा सों ।
भूषन भूषन सों तन ही, नलिनी नव-पूषनदेव-प्रभा सों ।
जाहिर चारिहुँ ओर जहान लसैं हिंदुआन खुमान सिवा सों ।"

अथवा

"कागज़ पर लिखत न बनत, कहत संदेसु लजात ।
कहिहैं सबु तेरौ हियो, मेरे हिय की बात ।।"

प्र.२ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए । (२४)

क. 'संशय की एक रात' खण्डकाल का मूल्यांकन कीजिए ।

अथवा

'संशय की एक रात' खण्डकाव्य के देश काल पर प्रकाश ड़ालिए ।

ख. सूरदास के विरह-वर्णन पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

तुलसीदास की दास्य-भक्ति को अपने शब्दों में लिखिए ।

प्र.३ निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए । (१०)

ग. राम का संशय ।

अथवा

'सन्दिग्ध मन का संकल्प"

घ. कबीर की पंडित के बारे में परिभाषा।

अथवा

सूरदास की वात्सल्य - भावना ।

प्र.४ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए : (१०)

१. श्रीनरेश मेहता के अन्य काव्य का नाम बताइए ।

२. युध्द परिषद की बैठक में राम के साथ कौन-कौन था ?

३. मंत्रणा और निर्णय का समय क्या था ?

४. प्रत्यूष बेला किसे कहते है ?

५. राम किस लिए युध्द करना चाहते थे ?

६. काव्य गौरव के पाठयक्रम में निर्धारित सगुण राम भक्ति के कवि का नाम बताइए ।

७. निर्गुण रामभक्त कवि का नाम बताइए ।

८. केवट क्या चाहता था ?

९. कवि भूषण ने किन दो राजाओं का वर्णन अपने काव्य में किया ?

१०. सूरदास का जन्म कब हुआ ?

* * * * *